

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पत्रिका (Mains Answer Sheet)

उत्तर का नं. 1 संख्या कौटिल्य एकेडमी

3 (A) परिचय हींदी और सेना अपभ्रंश से विकसित हुई

परिचय हींदी से विकसित तीन बोलियाँ -

↳ बृज

↳ बांगक

↳ कुंभेलखण्डी

3

4 B अर्धनागधी अपभ्रंश से पूर्वी हींदी विकसित हुई

पूर्वी हींदी के अंतर्गत ती विकसित बोलियाँ -

↳ छत्तीसगढ़ी

↳ कुंभेलखण्डी

↳ अठखिया अठखी

2

1 C हिंदी साहित्य के इतिहास के तीन प्रारंभिक लेखक -

1) रामचन्द्र शुक्ल

2) हजारि प्रसाद द्विवेदी

1

1 D सुरदास जी की भाषा बृज (रबी बोली हिंदी)

लिपि - देवनागरी

सूरसागर

2

मुख्य परीक्षा उत्तर पत्रिका
 (Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

1 E

↳ वे ~~स्वयं~~ ~~हवनिगो~~ ~~जिनका~~ उच्चारण तालु की सहायता से किया जाता है।
 स्पर्श व्यंजन का एक प्रकार है।
 उदाहरण - च, छ, ज, झ, ञ

1 (F)

अनुसूची 8 में वर्णित ~~किसी~~ तीन भाषाएँ -
 1) कोंकणी
 2) मैथिली
 3) मणिपुरी

1 6

अनुच्छेद 351 के तहत देश में हिंदी को विकसित करने के लिए पार्लियामेंट निरंतर प्रयास करेगा।

1 4

मातृभाषा की तीन विशेषताएँ -

1) मातृभाषा में अनुसूचित सहजतापूर्वक, परस्पर विभिन्न विचार करता है।

2) मातृभाषा अनुसूचित के लिए सबसे आसान तरीका है अपने भावों-विचारों को व्यक्त करने के लिए।

किसी गुंथित क विचार, इति, मुहारे आदि के आबों को विस्तार के सरल आषा में प्रकट करने की कला को पल्लवन कहते हैं।

2

1 (J)

संक्षेपण की तीन विशेषताएँ -:

- 1) परिपूर्णता (गंथासु या अवतरण का मूल रूप परिपूर्ण होना चाहिए)
- 2) भाषा परिवर्तन (सरल सहज एवं स्पष्ट)
- 3)

1.5

1 (K)

अनुवादक के तीन गुण -:

- 1) अनुवादक को स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए।
- 2) अनुवादक को व्याकरण का अच्छी तरह से पता होना चाहिए
- 3) अनुवादक को अनुवाद करते समय स्त्रोत भाषा के आबों की लक्ष्य भाषा में ज्यों के त्यौ प्रकट करना चाहिए।

3

प्रश्न संख्या

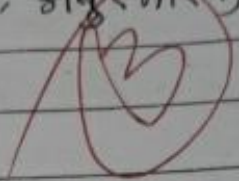
मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 (L)

प्रश्न पत्रान्तर ~~हस्ता~~ उनके साथ किया जाता है जिनसे हमारा कोई निजी संबंध नहीं होता है।

- इनमें आत्मीयता गैर (दली) होती है
- इन पत्रों में तथ्यों पर अधिक बल दिया जाता है।

उदाहरण - परिपत्र, अनुस्मारक, प्रपत्र आदि



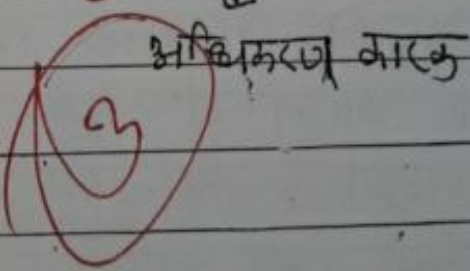
2 (N)

अधिकरण कारक

→ ~~अधिकरणों में~~

- कारक क्रिया के जनक होते हैं
- अधिकरण कारक सहाय या सर्वनाम का संबंध क्रिया के साथ बताता है (में, पर)

उदाहरण - वह आइस में खिल रहा है



अधिकरण कारक

1 0

संकर शब्द

→ दो अलग-अलग भाषाओं से मिलकर बने शब्द को संकर शब्द कहते हैं।

शब्द को संकर शब्द कहते हैं

उदाहरण -

उद्योग (संस्कृत) + पत्रि (हिंदी) - उद्योगपत्रि
वम (अंग्रेजी) + तर्षा (हिंदी) - वमवर्षा

संस्कृत या संस्कृत से उत्पन्न उत्पन्न अत्यंत या अन्य शब्द जबजे किसी शब्द के साथ लगकर उसका रूप बदल देते हैं। -

जैसे - भव, अम

गुण संज्ञित संधि

↳ स्वर संधि का एक प्रकार

↳ जब अ, आ के बाद इ/ई या उ/ऊ आए तो वह ए एवं ओ (क्रमवद्ध) हो जाते हैं।

↳ अ/आ + इ/ई → ए

↳ अ/आ + उ/ऊ → ओ

↳ अ/आ + ऋ → अर

उदाहरण -

देव + इश → देवेश

नर + इन्द्र → नरेन्द्र

मह + उस्व → महोस्व

मह + ऋषि → महर्षि

प्रश्न संख्या

द्वन्द्व संघि

→ श्मा/अ + ए/ऐ → ~~क~~ रे
→ अ/आ + ओ/औ → औ

→ उदाहरण :- ० एक + एक → एकैक
१ परम + भीषण्य → परमौषण्य

1 (R) समास - दो शब्दों के मेल को समास कहते हैं।
इसमें मेल करने पर ~~विग्रह उत्पन्न~~
विग्रह होता है।

उदाहरण उदाहरण :- राम - श्मा/अ (राम और श्मा/अ)

↓
तत्पुरुष समास
→ परणवगल (कमल के समान हैं -रण)
↓
कर्मधारय समास

5 मित्रता - मित्रता में भाववाचक संज्ञा है।

2
संख्या

Dignity of different castes have changed due to political & economic reasons. After getting political powers, the castes which were considered small have now been accepted as biggest. And economic development has increased the position of Shudras equal to Vaishyas. There are many examples of it. Infact due to these reasons, social

dignity of these castes has to such an extent, that never happened ~~due to~~ ^{by} religious protests.

It seems as if to bring forward these centennial castes of India, the only way is that their political dignity & economic independency is maintained, that day only, they will be free in reality. It has already been accepted that they are the son of god, but nothing much has improved due to that.

Handwritten notes in red ink: "Political", "Economic", "Social", "Dignity", "Independency", "Son of God".

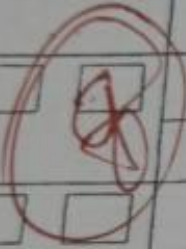
Handwritten number "10" circled in red.

3
अथवा

जिजासा इंसान की प्रकृति है और सुख भोगन उसकी इच्छा। ये प्रीने प्रवृत्तियाँ हैं। हर एक इंसान के अंदर आंतरिक और भाजन्म हैं। भगत उनको ये सुख नहीं मिलता है ~~क्योंकि~~ वे खुद पर ~~आ~~ आरोसा कर्तन बंद कर देते हैं कि

प्रश्न संख्या

वनह से उनके अंदर एक डर, निराशा और अवसाद की स्थिति पैदा हो जाती है। निरवरोध मनुष्य विचलित हो जाता है, सभी मायनों में वह ज्यादा कम सारंगतुल्य और ज्यादा परेशान होने लगता है। यही विचलन विचलन का कारण बनता है। मान सैतनिक विकार का मूल कारण है। विचलित व्यक्ति की चिन्ता बीमारी पता करना एवं इसका रूपा इलाज करना बहुत मुश्किल है। और यही एक कारण है कि इंसान की मानवता को पतनवत करने तक लिखा है और अजीब बात यह है कि इंसान बाहर से सज्जन दिखने के चक्कर में अलसी मान, भयदिष्ट स्वभाव का मतलब ही बदलता जा रहा है।

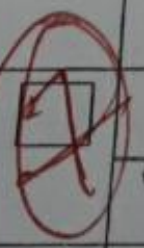


संक्षेपण

4

सच्चा कवि प्रकृति के हर एक रूप को पकड़ करता है जैसे - सुंदर, कर्मश, अमानक आदि। बहुत से कवि केवल प्रकृति के सौंदर्य को ही दर्शाते हैं जैसे पुरप, मधुकर, ठण्डी हवा, सरने आदि। ऐसे कवि भोगलिप्सु होते हैं। कुछ कवि केवल विशालता, अव्ययता, विचित्रता आदि वर्णन करते हैं, वे तमाशवी होते हैं। प्राचीन कवि जैसे वाल्मीकि, कालिदास

सुन्दर
पुष्प
श्यामि



5

मायुक्त कार्यालय,
जबलपुर

उ-11/ भा.अ. फ.रु. जा.वि. - 001

26/11/20

आदेश

विषय :- कोविड संदर्भ में बाजार बंद करने हेतु
~~आदेश~~ आदेशित किया जाता है कि कल रात
8 बजे से बाजार ~~बंद~~ अंतिम आदेश तक बाजार
बंद रहेंगे। सभी सशक्त अधिकारी विशेष रूप
से इस आदेश का पालन करेंगे और अपने
क्षेत्र को कोरोना मुक्त करने में अपना-अपना
योगदान देंगे।

① आदेश का पालन न होने पर कारवाई की
जाएगी

[Signature]
जिलाधिकारी,
(जबलपुर) H.P.

प्रतिलिपि :- ~~कॉपी~~

- ① सशक्त सातान-प अधिकारी
- ② पुलिस प्रशासन अधिकारी

② _____

[Signature]
जिलाधिकारी
(जबलपुर)

6

7) अंबे के हाथ बटेर लगना - किसी मूर्ख को जो विशेष चीज मिले

वाक्य प्रयोग - राम जैसे शराबी को गढ़ा हुआ सोना मिलना वही बात हो गई कि किसी अंबे के हाथ बटेर लगना।

संख्या 1.5

8) कान पर जूँ न रेंगना - कुछ भी मत ना होना / किसी भी बात का मत ना होना

वाक्य - सोहेल को छिपटने के लिए कितना भी बोल लो, उसके कान जूँ न रेंगती।

9) झौंड़ी खोपड़ी का होना - सक्की होना / मूर्ख होना

वाक्य प्रयोग - बेटा राम, शाम के साफ कम धूमा कर, उसे झौंड़ी खोपड़ी का है कहीं दे मारेगा।

10) बिल्ली हाती पर साँप लोटना - ईर्ष्या से दूखी होना

वाक्य प्रयोग - रोहन के बेटे गाढ़ी आई तो उसने देखा कि रमा की हाती पर साँप लोटने लगा।

संख्या 2

6) मा जैन मुद्दे वाट - खुद मुसीबत मोल लेना

~~ह नामक~~ चलती वष से उत्पन्न ह तो वही बात हो गई कि मा जैन मुद्दे वाट

1

i) अजिमेग - Impeachment

ii) ~~ह~~ पदोन्नति - Promotion

iii) अन्तरिम - Interim

iv) अधिनियम - Act

v) न्यायपालिका - Judiciary

vi) उपभोक्ता - Consumer

15

A) सूरज + इन्द्र → सूरजेन्द्र - (गुणसंघि)

अ + इ → ए

↓
स्व संघि का एक

प्रकार

3

B) संघि → सम् + धि ~~का~~

2

संघि का
संघि?

पृष्ठ संख्या

(E) कालकूट - जेल, कैद

(F) अगौरा → अन्न अंग + उड़ा
↓
प्रत्यय

(G) सन्मार्ग
↳ स उपसर्ग
सम्

मुद्रास्फीति : कारण एवं निवारण

(2) मुद्रा का लाभ तभी उठाया जा सकता है जब उसके बढ़ने में मनुष्य वस्तुओं या सेवाएँ ली जा सकें।

(3) मुद्रास्फीति का अर्थ है वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य में वृद्धि।

(4) मुद्रा प्रति में वृद्धि तब होती है जब देश विदेशी मुद्रा अर्जित करता है ~~है~~, जब देश में आयात की अपेक्षा निर्यात में वृद्धि होती है ~~है~~, विदेश में आयात प्रवधि अपनी आय वापस भारत में खेजते हैं और जब निष्क्रिय राशि को मालिक अपना उपभोग क्रम करके उपभोग में लाये।

(5) मुद्रास्फीति की मूल जड़ किसी देश में वस्तुओं और सेवाओं की कुल माँग और देश के कुल उत्पाद के बीच उत्पन्न असंतुलन है। जब मुद्रास्फीति का एक कारण यह भी है जब सरकारी खर्च आय से अधिक हो जाते हैं।

10	साहित्यिक प्रतिवेदन
	विश्व किताब मेला
	प्रगति, मैदान - दिल्ली 24/11/20
	<p>हाल में ही मेरे नवम्बर के महीने में दिनांक 26 से 30 नवम्बर तक एक ही तरह का विश्व स्तरीय किताब मेले का आयोजन किया गया। यह मेला दिल्ली सरकार के द्वारा विभिन्न पुस्तक घरों की मदद से संपन्न हुआ।</p> <p>मेले की सबसे बड़ी बात रही कि मैं आपको बड़े बड़े तथा पुराने पुराने किताबों की तरह उपलब्ध थी। साथ ही विभिन्न बड़े और बड़े लेखक, नेता, पत्रकार आदि ने पहुँचकर मेले में को नोट चॉप लगा दिए। उन्होंने अपने अनुभव के लेखकों और सीडरों (पढ़ने वाले) के साथ साझा किए।</p> <p>इस साल कोरोना के चलते मेले में अपेक्षाकृत भीड़ कम ही रही, साथ ही विशेष सुरक्षा के साथ मेले को संचालित किया गया।</p>